॥ जय भारत ॥ ॥ वन्दे मातरम् ॥ ॥ जय संगठन ॥
पंजीयन क्र. 72/54-56

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

82, पटेल कॉलोनी, गवर्नमेन्ट प्रेस के पास, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर - 302001
संरक्षक : सर्वश्री राजनारायण शर्मा, उमराव लाल वर्मा, रामावतार शर्मा, प्रहलाद शर्मा

(अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध)

प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन

17–18 जनवरी, 2025

माघ कृष्ण पक्ष चतुर्थी–पंचमी, विक्रम संवत 2081

स्थान : मीरा रंगमच, सांवलियाजी मण्डफिया, चित्तौडगढ़

महामंत्री प्रतिवेदन

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन में आज हमें सम्बलन देने पधारे मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा के यशस्वी अध्यक्ष माननीय श्री वासुदेव जी देवनानी, मुख्य वक्ता माननीय श्री निम्बाराम जी क्षेत्र प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राजस्थान, विशिष्ट अतिथि शिक्षा विभाग के संरक्षक माननीय श्री मदन जी दिलावर शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार, माननीय गौतम जी दक – सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री, राजस्थान सरकार, विशिष्ट अतिथि श्री कैलाश जी सोडाणी कुलगुरू कोटा विश्वविद्यालय, अध्यक्षता कर रहे प्रदेशाध्यक्ष श्री रमेश चन्द्र जी पुष्करणा, चित्तौड़गढ़ के सांसद श्रीमान चन्द्रप्रकाश जी जोशी, हम सबके मार्गदर्शन हेतु उपस्थित अति विशिष्ट अतिथि माननीय महेन्द्र कपूर जी भाई साहब राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, माननीय घनश्याम जी भाईसाहब संगठन मंत्री अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान क्षेत्र, माननीय विधायकगण, संगठन के संरक्षक गण आदरणीय सर्वश्री राजनारायण शर्मा, उमराव लाल वर्मा, रामावतार शर्मा एवं प्रहलाद शर्मा, सभाध्यक्ष श्री सम्पत सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी के माननीय सदस्यगण, सम्मेलन के संयोजक श्री कैलाश चन्द सुथार, सहसंयोजक श्री रमेश चन्द पुरोहित, श्री पूरणमल लोहार व श्री तेजपाल सिंह शक्तावत । प्रदेश भर से पधारे हुए सम्मानीय अतिथिगण एवं मीडिया से पधारे हुए पत्रकार बन्धुओं।

सांवलिया सेठ की पावन पुण्य सिद्ध धरा तथा महाराणा प्रताप के शौर्य एवं शक्ति की इस धरती पर आयोजित प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन के इस गरिमामय अवसर पर राजस्थान के कोने–कोने से पधारे समस्त शिक्षक कार्यकर्ता बन्धु–भगिनी वृन्द का हृदय के अन्तःस्थल से बहुत–बहुत स्वागत, अभिनन्दन, करबद्ध प्रणाम एवं वन्दन।

आप सभी के आशीर्वाद एवं सहयोग से धौलपुर प्रदेश महासमिति अधिवेशन के पश्चात की संगठनात्मक गतिविधियों व सतत् प्रयासों का प्रतिवेदन प्रदेश सम्मेलन में समुपस्थित शिक्षक महाकुम्भ रूपी जन मेदिनी के समक्ष निवेदित है।

सदस्यता किसी भी संगठन की सुदृढ़ता एवं व्यापकता का मूल होती है। निवेदन है कि हम सभी के भागीरथ प्रयासों एवं परिश्रम से संगठन ने इस वर्ष सदस्यता का नवीन कीर्तिमान बनाया है और हमेशा की तरह हम राज्य के सर्वाधिक सदस्यता वाले संगठन के नाते स्वाभिमान से अग्रिम पंक्ति में शिक्षक समाज का प्रतिनिधित्व करते आ रहे है। इस वर्ष संगठन ने सदस्यता हेतु विशेष कार्य योजना बनाकर संकुल रचना करके टोलियों का गठन करते हुए सदस्यता अभियान चलाया और निर्धारित लक्ष्य व संकल्प को पूरा करते हुए इस वर्ष (2,25,667) दो लाख पच्चीस हजार छः सौ सडसठ सदस्यता की उँचाई प्राप्त की है। संगठन के निष्ठावान, समर्पित ओर कर्मशील कार्यकर्ताओं के बल पर इस वर्ष संगठन ढाई लाख के लक्ष्य के करीब पहुँचा है। यह अब तक की संगठन की सर्वाधिक सदस्यता है। सदस्यता अभियान में अप्रतिम योगदान तथा सहयोग के लिए संगठन की ओर से आप सभी का साधुवाद व हार्दिक अभिनन्दन करते हुए आभार ज्ञापित करता हूँ। निवेदन है कि यह मंजिल नहीं पड़ाव है। लक्ष्य तक पहुँचे बिना पथ में पथिक विश्राम कैसा!

यह वर्ष संगठन के संस्थापक व प्रणेता स्वर्गीय श्री जयदेव जी पाठक का जन्म शताब्दी वर्ष है। संगठन द्वारा इस श्रृंखला में वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय किया गया है। इसका श्रीगणेश 25 अगस्त 2024 को जी डी बड़ाया सभागार मानसरोवर जयपुर में विशाल संगोष्ठी के आयोजन से किया गया।

संगठन ने कार्यकर्ताओं में संगठनात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीयता के भावों में स्थायित्व हेतु 28 व 29 सितम्बर 2024 को आबू रोड़ में बौद्विक वर्ग कार्यशाला आयोजित की गई। सम्पूर्ण राष्ट्र इस वर्ष लोकमाता पुण्य श्लोका अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जन्म–जयन्ती वर्ष मना रहा है। इस क्रम में संगठन ने प्रत्येक जिला मुख्यालय पर 17 नवम्बर 2024 को महिला गोष्ठियों का आयोजन किया जिसमें दस हजार से भी अधिक मातृ शक्ति ने भाग लिया। संगठन की कार्यप्रणाली से जन प्रतिनिधियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराने हेतु सघन सम्पर्क अभियान चलाया गया। साथ ही प्रत्येक विद्यालय तक संगठन के कार्य, कार्यक्रम एवं गतिविधियों की जानकारी देने के उद्देश्य से 15 से 30 नवम्बर 2024 तक प्रधानाचार्य सम्पर्क एवं संवाद अभियान चलाया गया। जिसके अप्रत्याशित परिणाम देखने को मिले।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 04 से 06 अक्टूबर 2024 तक भोपाल में आयोजित हुई जिसमें प्रदेश अध्यक्ष, संगठन मन्त्री, सह संगठन मन्त्री, महामंत्री, अतिरिक्त महामंत्री एवं महिला प्रमुख ने भाग लेकर राष्ट्रीय स्तर पर संगठनात्मक उपस्थिति को प्रभावी तौर पर दर्ज कराते हुए शिक्षकों के केन्द्र से सम्बन्धित मुद्दों से राष्ट्रीय संगठन को अवगत कराया।

बन्धुओं! देशभर के 13.5 लाख से अधिक शिक्षकों का हमारा केन्द्रीय संगठन शिक्षा, शिक्षक और शिक्षार्थी के हितों के लिए हमेशा तत्पर रहता है। इस बैठक में शिक्षा, शिक्षार्थी, शिक्षक एवं समाज हित में तीन प्रस्ताव भी पारित किए गये। हमारा दायित्व है कि हम संगठन के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए सहयोग प्रदान करें। हमें विश्वास है कि यह राज्य के शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. श्री नारायण लाल गुप्ता की अध्यक्षता एवं संगठन मंत्री श्री महेंद्र कपूर जी एवं महामंत्री प्रो. श्रीमती गीता भट्ट के कुशल संयोजन में हो रहे कार्यक्रमों हेतु हम आपका आभार एवं अभिनन्दन करते हैं।

मैं माननीय अतिथियों के समक्ष उल्लेखित करना चाहता हूँ कि राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) अन्य संगठनों की तरह केवल अपनी माँगों पर ही बात नहीं करता अपितु शिक्षा, शिक्षार्थी, समाज और राष्ट्र हित का चिन्तन सर्वोपरि रखता है। हमारे मूल वैचारिक संगठन द्वारा पल्लवित यह भाव हमें हमेशा इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। हमारा राष्ट्र सशक्त व समृद्ध बने, यह दायित्व बोध शिक्षक होने के नाते हम सभी के लिए आवश्यक है। इस हेतु संगठन के प्रवासी कार्यकर्ताओं की टोली ने यह कार्य अपने हाथ में लेते हुए प्रदेश की समस्त उपशाखाओं में बैठकें कर जनमानस को गौरवशाली राष्ट्र के साथ वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़ा करने एवं समाज में आसुरी शक्तियों द्वारा फैलाये जा रहे नकारात्मक विषयों की जानकारी देकर सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों की प्रगाढ़ता के प्रयास किये गये है।

आज शैक्षिक सम्मेलन में राष्ट्र सर्वोपरि व जन कल्याण की भावना को साकार करने वाली राजस्थान सरकार के विधानसभा अध्यक्ष एवं शिक्षा मंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में हम सब बहुत आशा व उम्मीद के साथ उपस्थित हैं। धौलपुर अधिवेशन में हमने सरकार से आग्रह किया था कि शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षार्थी हितों को सर्वोपरि मानते हुए गत सरकार के शिक्षण व्यवस्था को चौपट करने वाले निर्णयों पर तत्काल पुनर्विचार कर उन्हें निरस्त किया जाये। शिक्षा सेवा नियमों में अनुचित एवं गलत तरीके से किए गये परिवर्तनों में आवश्यक सुधार कर इनके कारण लम्बित पदौन्नतियाँ एवं भर्तियाँ आदि शीघ्र पूर्ण की जाये। हमारा यह भी आग्रह है कि कृपया शिक्षक को शिक्षक ही रहने दें। गैर शैक्षणिक, गैर विभागीय कार्यों, ऑनलाइन कार्यों एवं रिपोर्टिंग इत्यादि कार्यो में शिक्षकों को लगाकर जाने–अनजाने में भावी पीढ़ी को संस्कार देने के कार्य में लगातार व्यवधान उत्पन्न किया जाता रहा हैं। यह शासन पर निर्भर करता है कि वह सद्नागरिक तैयार करने में शिक्षक को कितना सहयोग करते हैं। इसके बावजूद सरकार ने जो प्रयास किये है, वे हम सबके सामने है। सरकार गठन के बाद हमारी अपेक्षाएँ थी कि जिस मेहनत, लगन व परिश्रम के साथ राजस्थान में नई सरकार ने कार्य प्रारम्भ किया है, शिक्षा के क्षेत्र में हमसे चर्चा, विचार–विमर्श कर शिक्षा विभाग के कार्य को सुव्यवस्थित एवं सही दिशा में प्रशस्त करने के प्रयास होंगे। इस दृष्टि से निवेदन है कि माननीय शिक्षा मंत्री जी विशेष ध्यान देंगे।

हालाँकि शिक्षा मंत्री महोदय ने सहृदयता दिखाते हुए संगठन के साथ कई बार महत्वपूर्ण एवं सारगर्भित वार्ता की है और संगठन के माँग पत्र के बिन्दुओं पर गम्भीरता से चर्चा कर उन्हें यथा समय हल करने के प्रयास भी प्रारम्भ किये हैं। हमें विश्वास है कि शिक्षा, शिक्षक और शिक्षार्थी हित में प्रदत्त हमारे उचित सुझावों पर आप शीघ्र ही निर्णय लेंगे। शिक्षकों द्वारा शिक्षार्थियों को बिना किसी व्यवधान के शिक्षा प्रदान करने के माननीय शिक्षामंत्री जी के संकल्प को हमारा पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। हमें पूर्ण आशा एवं विश्वास है कि हमारे सुझावों को सम्मिलित करते हुए योजना निर्माण से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सफल एवं सुगम क्रियान्वयन होगा।

हमने पूर्व में भी नवगठित सरकार के मुखिया एवं माननीय शिक्षा मंत्री जी को अवगत कराया था कि गत सरकार द्वारा हमारे विचार परिवार के शिक्षकों को प्रमुखता से निशाना बनाकर बुरी तरह से प्रताड़ित किया गया है। यह प्रक्रिया गत सरकार के गठन के समय से ही चल रही थी। इस मंच के माध्यम से संगठन की ओर से मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि ऐसे दमनात्मक कार्यों को संगठन के कार्यकर्ता, विचार को सर्वोपरि एवं प्रमुख मानकर सहन करते आ रहे है। मंच पर विराजमान अतिथियों से यह विशेष निवेदन करना चाहता हूँ कि गत सरकार की प्रताड़ना

का संगठन के समस्त कार्यकर्ताओं ने पूरे समय मजबूती से सामना कर समय आने पर संकीर्ण मानसिकता वाली सरकार को उसका यथेष्ठ स्थान प्रदान करने हेतु पूरे प्रदेश में अपनी ऊर्जा का उपयोग किया है। परन्तु सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल के बाद भी कार्यकर्ता उसी स्थिति में खड़ा है। यह स्थिति अत्यन्त पीड़ादायक है। हमें आशा है कि आज उपस्थित समस्त ज्येष्ठ, श्रेष्ठ और विज्ञ जिम्मेदार महानुभाव हमारी मनोभावनाओं के संकेत को समझे और तदनुरूप राहत के बादल जल्द ही बरसाने का प्रबन्ध करे। शुभस्य शीघ्रम्।

बंधुओ ! हमें "संघे शक्ति कलियुगे" मंत्र को साधते हुए संगठनात्मक एकता और सुदृढ़ता को बनाए रखना है। आज हमारे सामने चतुर्दिक सामाजिक, सांस्कृतिक, वैचारिक और राजनीतिक समस्त क्षेत्रों में चुनौतियाँ अपने रौद्र रूप में खड़ी हैं। हमें संकल्पबद्ध होकर सम्मुख उपस्थित चुनौतियों का सामना करते हुए इनका समाधान करने की दिशा में आगे बढ़ कर परम वैभव के लक्ष्य की प्राप्ति की ओर कदम बढ़ाना है। साथ ही हमें अब शिक्षकों के मध्य संयम बरकरार रखते हुए अपने व्यवहार में विश्वसनीयता और प्रामाणिकता स्थापित करनी है। संगठन विस्तार एवं गुणवत्ता का अपना निर्धारित लक्ष्य इन्हीं गुणों के बूते सम्भव है लेकिन इस प्रक्रिया में हमेशा राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए। हमें अपने दायित्व की गुरुता के अनुरूप अपना आचरण भी शुचिता पूर्ण रखना है।

मैं प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन के संयोजक श्री कैलाश चन्द सुथार, सह संयोजक श्री रमेश चन्द पुरोहित, श्री पूरणमल लोहार व श्री तेजपाल सिंह शक्तावत के साथ ही संगठन के समस्त समर्पित एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिन्होंने इस भव्य एवं विशाल आयोजन को ऐतिहासिक रूप से सफलता प्रदान कर सम्मेलन को चिरस्मरणीय बनाया है। सांवलिया सेठ की इस पुण्य धरा में समुपस्थित शिक्षकों के इस आयोजन के अवसर पर हमें यह परिसर उपलब्ध कराने वाले समस्त महानुभाव, व्यवस्थाओं में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष सहयोग प्रदान करने वाले क्षेत्र के समस्त कर्मठ एवं गणमान्य महानुभावों के प्रति आभार ज्ञापित करता हूँ। साथ ही इस अवसर पर संगठन के संरक्षक मंडल के माननीय सदस्य गण, ए.बी.आर.एस.एम. राजस्थान क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री घनश्याम जी, प्रदेशाध्यक्ष श्री रमेश चन्द पुष्करणा, सभाध्यक्ष श्री सम्पत सिंह एवं समस्त स्थाई समिति एवं प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्यों का भी हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिन्होंने समय–समय पर मेरा मार्गदर्शन किया। महामंत्री कार्यालय में मेरा सहयोग करने वाले अतिरिक्त महामंत्री श्री योगेश शर्मा, प्रदेश मंत्री श्री नरेश सोलंकी, प्रदेश महिला मंत्री डॉ. श्रीमती अरूणा शर्मा, संयुक्त मंत्री श्री शिव शंकर शर्मा एवं कार्यालय प्रमुख श्री धीरज गर्ग एवं श्री शिवरतन कुमावत का भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। एक बार पुनः सम्पूर्ण प्रदेश से पधारे हुए समस्त शिक्षक बन्धु–भगिनी, संगठन के निष्ठावान दायित्ववान कार्यकर्ताओं, माननीय अतिथि महानुभावों, पत्रकार बन्धुओं सहित समस्त गणमान्य नागरिक महानुभावों का हार्दिक अभिनन्दन एवं आभार व्यक्त करता हूँ।

जय भारत–जय संगठन।

सांवलियाजी
17 जनवरी 2025

महेन्द्र कुमार लखारा
महामंत्री